बृहस्पतिवार 33 साल से देहरादून का विश्वास

05 जून 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 124
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

रोहित नेगी हत्याकांड: एसटीएफ मैदान में

अहजर के दूसरे साथी अभी बेनाम है

संवाददाता

देहरादून। रोहित नेगी हत्याकांड में हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए अब एसटीएफ एसएसपी नवनीत भूल्लर ने टीमें गठित कर एसटीएफ को हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के लिए मैदान में उतार दिया है। जबकि हत्यारोपी अजहर मलिक के दूसरे साथी के बारे में पुलिस को कुछ नहीं पता चल सका है।

उल्लेखनीय है कि तीन जून की रात्रि में तिलवाडी निवासी रोहित नेगी की किसी बात पर मुजफ्फरनगर निवासी अजहर मलिक से फोन पर कहासुनी हो गयी जिसके बाद जब रोहित कार में अपने मित्रों के साथ घर की तरफ जा रहा था तभी अजहर अपने साथी के साथ मोटरसाईकिल में वहां पहुंचा और उसने सामने से फायर कर दिया और गोली रोहित की गर्दन पर जा लगी। उसके साथी उसको लेकर ग्राफिक एरा अस्पताल पहुंचे जहां पर चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। रोहित नेगी की हत्या की खबर सुनते ही आसपास के ग्रामीण वहां पर एकत्रित हो गये और हत्यारोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग करने लगे। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के अगले दिन चार जून को डीबीआईटी कॉलेज चौक पर झाझरा, सुद्धोवाला, भाऊवाला, तिलवाडी, डूंगा से बडी संख्या में युवक पहुंचे और उन्होंने वहां पर जमकर प्रदर्शन कर हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। बडी संख्या में युवकों के एकत्रित होने की सूचना मिलते ही एसएसपी अजय सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। इस दौरान स्थानीय विधायक सहदेव सिंह पुण्डीर भी वहां पहुंच गये। एसएसपी अजय सिंह ने भीड को आस्वासन दिया कि शीघ्र ही हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा। वहीं आज एसएसपी एसटीएफ नवनीत भूल्लर ने सम्पर्क करने पर बताया कि इस मामले में हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसटीएफ की भी टीमें गठित कर ली गयी हैं। उन्होंने बताया कि एसटीएफ की टीमें मुजफ्फरनगर सहित अन्य जनपदों में हत्यारोपियों की तलाश में लग गयी है। उन्होंने कहा कि एसटीएफ हर पहलु पर जांच कर रही है और शीघ्र ही हत्यारोपियों व उनके सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अभी तक पुलिस व एसटीएफ अजहर के दूसरे सहयोगी का पता लगाने में नाकाम रही है। क्योंकि अभी तक पुलिस को यह भी नहीं पता कि अजहर का दूसरा साथी मुजफ्फरनगर का है या वह स्थानीय युवक था। इस बात का भी पता लगाया जा रहा है जिसके लिए घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाला जा रहा है। उसके बाद भी पुलिस दो दिन में अजहर के दूसरे साथी के बारे में कुछ पता नहीं कर सकी है।

दून वैली मेल

संपादकीय

बकरीद पर बयानों की बाढ़

ईद पर दी जाने वाली जानवरों की कुर्बानी की रवायत भले ही कितने भी साल पुरानी हो या फिर इसके पीछे धार्मिक महत्व के उदाहरण हो। लेकिन वर्तमान दौर की राजनीति में जहां हर एक बात को घुमा फिरा कर वोट की उस राजनीति से जोड़ दिया जाता है जो हिंदू-मुस्लिम के इर्द-गिर्द आकर टिक जाती है। इस बार ईद पर भी कुछ ऐसा ही होता दिख रहा है। उत्तर प्रदेश की सरकार द्वारा इस बार कुछ खास गाइडलाइन जारी की गई है। खुले स्थानों पर कुर्बानी नहीं होगी, सड़क और रास्तों पर कुर्बान पशु के अवशेष नहीं डाले जाएंगे तथा नालियों में खून नहीं बहाया जाएगा। सरकार द्वारा धार्मिक स्थलों की सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर नमाज न पढ़ने के निर्देशों का साथ गोवंश की कुर्बानी को पहले ही हराम घोषित किया हुआ है। ईद पर होने वाली इस कुर्बानी की प्रथा को लेकर तरह-तरह के समाचार दिखाए जा रहे हैं। इन भ्रामक सूचनाओं पर प्रतिबंध लगाया जाना जरूरी है लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा है। मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा भी इस पर तमाम तरह की प्रतिक्रिया दी जा रही है। संत समाज के लोगों का कहना है कि जीव हत्या पाप है तथा निंदनीय है। कुछ धर्माचार्यो द्वारा मुसलमानों को बकरे की जगह केक काटकर ईद मनाने की नसीहतें दी जा रही है। वहीं कुछ नेताओं द्वारा मुसलमानों के त्योहार को क्रूर और गंदा बताया जा रहा है। खास बात यह है कि कुर्बानी या बली की यह प्रथा सिर्फ मुस्लिम समुदाय तक ही सीमित नहीं है हिंदुओं के द्वारा भी देवी-देवताओं को प्रसन्न करने के लिए कुर्बानी की प्रथाएं रही है। भले ही बदलते वक्त के साथ कुछ स्थानों पर यह कम हो गया हो या खत्म हो गया हो जहां तक हमारी धार्मिक आस्थाओं और मान्यताओं का सवाल है हमारा संविधान हमें धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है लेकिन अन्य धर्म के लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाने का अधिकार किसी को भी नहीं देता है। दरअसल इस फसाद की जड़ में जो अहम बात है वह यही है। समाज में कुछ अराजक तत्वों द्वारा इसको लड़ने का एक हथियार या औजार बना लिया गया है। जीव हत्या पाप है तो फिर सरकार को देश में जीव हत्या पर पूर्ण पाबंदी लगा देना चाहिए। एक तरफ भारत का अरबों रुपए का वह मीट कारोबार है जिसके जरिए सरकार की मोटी कमाई होती है तथा इस कारोबार को करने वाले मुस्लिम ही नहीं हिंदू भी हैं जिनमें कई नेता भी शामिल है। भारत मीट निर्यातक देशों की सूची में विश्व में तीसरे स्थान पर है। विश्व के देशों में 33 हजार करोड़ का एक्सपोर्ट भारत ही करता है। खास बात यह है कि उत्तर प्रदेश कुल निर्यात का 50.34 फीसदी निर्यात करता है यानी की मीट का धंधा सबसे अधिक उत्तर प्रदेश में ही होता है। भारत में 200 मिलियन पशुओं को हर साल काटा जाता है। जो लोग ईद पर कुर्बानी का विरोध कर रहे हैं उन्हें इस मीट कारोबार को बंद करने की मांग भी करनी चाहिए। इस मीट कारोबार की आड़ में जो हिंदू-मुस्लिम की राजनीति होती है तथा गौ रक्षा के नाम पर सांप्रदायिक टकराव के हालात बने रहते हैं वह अत्यंत ही चिंतनीय है। आगरा में नौ लोगों की गिरफ्तारी और यूपी के ही अलीगढ़ में गौ मांस की झूठी सूचना पर हंगामा करने के पीछे भी अवैध वसूली के जो नेक्सस का भंडाफोड़ हुआ है वह हिंदू समाज को शर्मशार करने वाला है। आज अगर इस तरह की घटनाओं को लेकर अगर यह कहा जा रहा है कि देश में एक संप्रदाय विशेष को टारगेट किया जा रहा है तो यह गलत नहीं है। हिंदूवादी संगठनों को इस मुद्दे पर चिंतन करने की जरूरत है।

सीएम धामी ने पर्यावरण के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वालों को सम्मानित किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया।

सुन्दर लाल बहुगुणा प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार-2025 (सरकारी श्रेणी) में नगर निगम रूद्रपुर को सम्मानित किया गया। नगर निगम रूद्रपुर से उप नगर आयुक्त श्रीमती शिप्रा जोशी ने यह पुस्कार प्राप्त किया। सुन्दर लाल बहुगुणा प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार-2025 (गैर सरकारी श्रेणी) में श्री विजय जड़धारी एवं श्री प्रताप सिंह पोखरियाल को सम्मानित किया गया।

उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के जागरूकता पोस्टर का विमोचन एवं इको टूरिज्म कॉर्पोरेशन द्वारा तैयार किए गए पोर्टल का भी मुख्यमंत्री ने लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्लास्टिक मुक्त उत्तराखण्ड की शपथ दिलाई एवं स्कूली बच्चों को कपड़े के बैग प्रदान किये।

मुख्यमंत्री ने वन विभाग को इस वर्ष प्रदेश के प्रत्येक वन डिवीजन में कम से कम एक हजार फलदार वृक्ष लगाए जाने के निर्देश दिए। जिससे जंगली जीव-जंतुओं के लिए पर्याप्त आहार मिल सके। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों और यात्रियों से आग्रह किया कि जीव-जंतुओं को ऐसी वस्तुएँ न खिलाएँ जो उनकी सेहत के लिए हानिकारक हों। उन्होंने आह्वान किया कि जन्मदिन, विवाह की वर्षगांठ और अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर अवश्य पौधारोपण करें। ऐसे प्रयासों के संकल्प से ही हम पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दे पाएंगे।

मुख्यमंत्री ने सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उत्तराखंड प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता से परिपूर्ण राज्य है। घने जंगल, पवित्र नदियाँ, हिमालयी ग्लेशियर हमारे राज्य की भौगोलिक पहचान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से भारत अक्षय ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में विश्व स्तर पर आगे बढ़ रहा है। सोलर मिशन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, नमामि गंगे अभियान और प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान जैसी योजनाएं पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभा रही हैं।

उन्होंने कहा राज्य सरकार, लोकपर्व हरेला को प्रकृति संरक्षण के महापर्व के रूप में बृहद स्तर पर मनाती है। प्रदेश के नौले, धारे एवं वर्षा आधारित नदियों जैसे परंपरागत जल स्रोतों के संरक्षण के लिए 'स्प्रिंग एंड रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी (सारा) का गठन किया है।

वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि उत्तराखंड पर्यावरण के प्रति संवेदनशील है। जिसके फलस्वरुप आज देश में कार्बन को अवशोषित करने वाले सर्वश्रेष्ठ पांच राज्यों में उत्तराखंड का नाम है। उन्होंने कहा पर्यावरण संरक्षण के लिए हमने जन सहभागिता को प्राथमिकता दी है।

उन्होंने कहा उत्तराखंड आने वाले यात्रियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। आज राज्य में प्लास्टिक के विकल्प पर भी कार्य किया जा रहा है। प्लास्टिक के न्यूनतम इस्तेमाल हो, इसका हमें विशेष ध्यान रखना होगा।

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने कहा कि विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण भी महत्वपूर्ण है, जिसके लिए ग्रॉस एनवायरमेंट प्रोडक्ट का कांसेप्ट लाया गया है। मुख्यमंत्री के निर्देशों पर राज्य स्तर पर पर्यावरण पुरस्कार देने की शुरुवात की गई है। उन्होंने कहा पर्यावरण और जल संरक्षण का कार्य हर किसी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर प्रमुख वन संरक्षक डॉ. धनंजय मोहन, शासन, पुलिस और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

श्री ऋषि आश्रम मन्दिर में सुंदर कांड एवं कीर्तन का हुआ आयोजन

देहरादून (कासं)। अयोध्या धाम में राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा के दिव्य व भव्य आध्यात्मिक कार्यक्रम के उपलक्ष्य में आज प्रात:10:30 बजे से शुरू होकर 12:30 बजे आरती प्रसाद वितरण संपन्न हुआ। कार्यक्रम देहरादून खुड़बुड़ा स्थित श्री ऋषि आश्रम मन्दिर में दिव्य एवं संगीतमय सुंदर कांड एवं सुमधुर कीर्तन के साथ सभी श्रद्धालु भक्तगण इस ऐतिहासिक व आध्यात्मिक कार्यक्रम में शामिल हुए। सैकड़ों महिलाओं व भक्तगण श्रीराम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सीधे अपनी भक्ति रूपी भावनात्मक आहुति दी ।

आज के इस अवसर पर संयोग से उत्तरप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री जी योगी आदित्यनाथ जी के जन्मदिवस पर उनके शतायु व स्वस्थ जीवन के लिए भी प्रार्थना की गई। दिव्य आयोजन महामंडलेश्वर स्वामी श्री विद्या चौतन्य जी महाराज के तत्वाधान में संपन्न हुआ। इस अवसर पर आश्रम समिति के प्रधान महेश गुप्ता , महामंत्री मनमोहन शर्मा, संयोजक सत्य प्रकाश गोयल, बालेश कुमार गुप्ता, भगवान स्वरूप अग्रवाल, दिनेश कुमार बंसल, गिरिधर शर्मा, प्रवीण गुप्ता महिला मंडल से बीना अग्रवाल, कंचन आनंद, मंदिर के पुजारी पंडित श्रवण कुमार तिवारी सहित सैकड़ों भक्तगण उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर चलाया 'चलो टपकेश्वर' अभियान

देहरादून (कासं)। विश्व पर्यावरण दिवस पर मैड संस्था के जोशीले युवाओं की टीम ने 'चलो टपकेश्वर' अभियान के अंतर्गत यहां मंदिर तथा मोक्ष धाम क्षेत्र के साथ टोंस नदी में उतरकर माता की चुनरी, देवी देवताओं की खंडित मूर्तियां, टूटी कांच की चूड़ियां, ड्रग्स तंबाखू चिप्स के खाली रैपर,फटे सिगरेट बीड़ी के कागज, पूजा सामग्री, प्लास्टिक कैन,शवों के कपड़े,प्लास्टिक के गिलास आदि अपने हाथों से उठाकर बैगों में इकट्ठा किया।

टीम के साथ पराशक्ति, हौसला फाऊंडेशन, बेस्ट वॉरियर्स के स्वयंसेवक भी शामिल थे। इन्होंने नदी में फैलाई जा रही गंदगी को जलचर जीवों के लिए मौत का समान बताते हुए मंदिर प्रशासन से अनुरोध किया कि श्रद्धालुओं को यहां गंदगी न फैलाने के लिए प्रेरित किया जाना जरूरी है। तभी हम पर्यावरण बचा सकते हैं।

अभियान के बाद संयुक्त नागरिक संगठन की ओर से मंदिर परिसर में आयोजित फलाहार स्वल्पाहार कार्यक्रम में मैड के लीडर ने संगठन के चंद्रगुप्त विक्रम द्वारा अभियान को सफल बनाने में दिए गए 70 रीयूजेबल ग्लोब्स के जोड़े उपलब्ध कराने पर आभार व्यक्ति किया। यहां उपस्थित युवाओं को देश का भविष्य बताते हुए सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने कहा पर्यावरण के संरक्षण के लिए हमें प्रतिदिन स्वच्छता अभियान में सहभागी बनकर पूरे देहरादून को साफ सुथरा बनाना होगा।

इनका यह भी कहना था की दून घाटी में पेड़ों की जगह उगते कंक्रीट के जंगल हमारी जिंदगी के लिए खतरा बना रहे हैं इस प्रवृत्ति को रोका जाना जरूरी है।कुछ लोगो का विचार था की विगत वर्षों में दून में सरकारी तथा गैरसरकारी स्तर पर लाखों की संख्या में पौधे रोपे गए हैं। लेकिन संरक्षण के अभाव में अधिकांश अपनी मौत मर चुके हैं। इसलिए पौधारोपण के साथ पौधा संरक्षण हमारी प्राथमिकताएं होनी चाहिए।

वक्ताओं में ब्रिगेडियर केजीबहल, चंद्रगुप्त विक्रम, आचार्य विपिन जोशी, अवधेश शर्मा, ताराचंद गुप्ता, प्रदीप कुकरेती, मुकेश शर्मा तथा अभियान के भागीदारों में मौसमी भट्टाचार्य,अर्पित,आरती बिष्ट, आशीष, अंबिका, राहुल रावत,बलराम गौर, श्रीवत,अनीश सिंह,अर्पित गर्ग, अंबिका निषाद, आशीष वर्मा, प्रिंस कपूर, पार्थ, अक्षिता, खुशबू, महक, उत्कर्ष गौर, सार्थक अरोड़ा, खुशी भट्ट आदी शामिल थे।

हरिद्वार भूमि घोटाले में संलिप्त सभी आरोपियों की संपत्ति की हो जांचः धस्माना

संवाददाता

देहरादूना। कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि हरिद्वार भूमि घोटाले में संलिप्त सभी आरोपियों की सम्पत्ति की जांच की जानी चाहिए।

आज यहां प्रदेश में नौकरशाही में व्याप्त भ्रष्टाचार के सबसे ताजा तरीन मामले हरिद्वार भूमि घोटाले में कांग्रेस की चेतावनी के बाद की गई कार्यवाही का स्वागत करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन व प्रशासन सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि सरकार ने भूमि घोटाले में संलिप्त एक दर्जन अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ पहले चरण की कार्यवाही तो कर दी किंतु इन सभी आरोपियों के खिलाफ सरकारी खजाने में सेंधमारी का अपराधिक षडयंत्र का मामला दर्ज कर इन सभी की संपत्तियां की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है।

आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में धस्माना ने कहा कि उन्होंने सरकार से अविलंब इस घोटाले के आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की थी जिस पर मुख्यमंत्री द्वारा संचयन लेते हुए कार्यवाही की गई और एक दर्जन अधिकारियों जिसमें उच्च प्रशासनिक अधिकारी शामिल हैं उनके खिलाफ निलंबन की कार्यवाही हुई है जिसके लिए मुख्यमंत्री को वे बधाई देते हैं किन्तु यह कार्यवाही काफी नहीं है क्योंकि इस प्रकरण में जिस प्रकार से जिले के प्रशासन के सबसे बड़े अधिकारी व अन्य अधिकारियों द्वारा एक सुनियोजित तरीका अपना कर घोटाला किया गया वह एक बहुत गंभीर अपराध है और इसके लिए इस पूरे घोटाले में संलिप्त हर व्यक्ति के खिलाफ आर्थिक अपराध का और षडयंत्र का मामला पुलिस में कायम कर कार्यवाही करनी चाहिए व ईडी व आयकर विभाग को इनकी संपत्तियों की जांच करनी चाहिए। धस्माना ने कहा कि राज्य की जनता की खून पसीने की कमाई को इस तरह के घोटाले कर लूटने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

मोटरसाईकिल चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने खुले स्थान पर खडी मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार चमनपुर माजरा निवासी मौहम्मद गुलजार ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से आईएसबीटी गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल मुस्कान चौक पर खडी कर दी थी। जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने 'कोटपा' के अंतर्गत 52 व्यक्तियों का किया चालान

संवाददाता

टिहरी। शिक्षण संस्थानों के 100 गज की परिधि में तंबाकू युक्त पदार्थ बेचने पर पुलिस ने तम्बाकू उत्पादन अधिनियम (कोटपा) के तहत 52 व्यक्तियों का चालान किया।

आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार व अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नरेंद्रनगर के निकट पर्यवेक्षण में शिक्षण संस्थानों के 100 गज की परिधि में तंबाकूयुक्त पदार्थ यथाः-- बीड़ी, सिगरेट, गुटका, पान मसाला आदि का विक्रय करने व सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू पदार्थों का सेवन करने आदि अन्य मादक पदार्थों की बिक्री को प्रबंधित करने हेतु 31 मई 2025 से 26 जून 2025 तक एक विशेष अभियान के अंतर्गत थाना देवप्रयाग द्वारा 30 चालान तथा तथा थाना घनसाली द्वारा 22 चालान किए गए। थाना देवप्रयाग पुलिस द्वारा कस्बा देवप्रयाग व कस्बा तीन धारा में अलग-अलग स्थान पर आकस्मिक चेकिंग की गई जिसके अंतर्गत नियमों के उल्लंघन करने वाले 30 व्यक्तियों का चालान सिगरेट और तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 के अंतर्गत किया गया। जबकि घनसाली पुलिस ने भी अलग अलग स्थानों में अभियान चलाकर कोटपा के अंतर 22 चालान किए।

ऑयल पुलिंग : मसूड़ों की सूजन से लेकर सांस की बदबू तक होगी दूर

पुराने समय से ही भारत में कई ऐसी तकनीकें इस्तेमाल होती आई हैं जो सेहत को फायदा पहुंचाने का काम करती हैं। इसी लिस्ट में शामिल है ऑयल पुलिंग। यह एक प्राकृतिक और हर्बल तरीका है और आयुर्वेद में भी इसका बहुत महत्व माना गया हैं।

दरअसल ऑयल पुलिंग अर्थात तेल से कुल्ला करने की विधि हैं जो सेहत को कई तरह के फायदे पहुंचाने का काम करता हैं। जी दरअसल कई बड़े सेलेब्रिटी हैं जो अपनी सेहत और सुंदरता के लिए इसी तकनीक का इस्तेमाल करते हैं। अब आज हम आपको ऑयल पुलिंग करने के तरीके और इससे मिलने वाले फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

क्या है ऑयल पुलिंग?- ऑयल पुलिंग का मतलब होता है तेल से कुल्ला करना। जी हाँ और इससे आयुर्वेद में कवाला या गंदुशा के नाम से जाना जाता है। गंडुशा में अपने मुंह को पूरी तरह से तेल से भरना पड़ता है और थोड़े समय बाद इसे बाहर थूकना पड़ता है। जी दरअसल इसमें और कवलग्रह में बस इतना अंतर है कि कवलग्रह में मुंह को पूरी तरह तेल से भरा नहीं जाता है। यहाँ मुँह से तेल को थूकने से पहले मुँह में हिलने की जगह होती है। नियमित रूप से ऑयल पुलिंग करने से स्वास्थ्य को कई लाभ होते हैं। ऑयल पुलिंग के लिए जैतून या नारियल दोनों तेल का इस्तेमाल किया जा सकता है।

ऑयल पुलिंग करने का तरीका- ऑयल पुलिंग करने के लिए आप नारियल के तेल, तिल के तेल, सूरजमुखी के तेल या जैतून के तेल में से किसी एक तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। जी दरअसल हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार ऑयल पुलिंग करने का सबसे अच्छा समय सुबह खाली पेट है। इसके लिए एक बड़े चम्मच तेल को अपने मुंह में डालकर इसे 15 से 20 मिनट के लिए मुंह के अंदर चारों तरफ घुमाएं और कुल्ला करें। हालाँकि ध्यान रखें कि इस दौरान आपको तेल को बिल्कुल भी निगलना नहीं है। वहीं इसके बाद तेल को थूक कर सादे पानी या गर्म पानी

से अच्छी तरह से कुल्ला कर लें। इसके बाद आप ब्रश कर लें।

कैविटी से बचाव- मुंह के हानिकारक बैक्टीरिया दांतों में प्लाक का कारण बनते हैं, जिससे कैविटी यानी दातों में खोखलेपन की समस्या हो जाती है। ऑयल पुलिंग के लिए तिल, नारियल और सूरजमुखी के तेल का इस्तेमाल किया जाता है। जी दरअसल इन तेलों में एंटीबैक्टीरियल गुण होता है, जो दांतों को नुकसान पहुंचाने वाले बैक्टीरिया से लड़ते हैं। इसका इस्तेमाल करने से कैविटी की समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

ऊर्जा में बढ़ोतरी- आयल पुलिंग का सबसे बड़ा लाभ है कि यह आपके शरीर की एनर्जी को बढ़ाता है।

मसूड़ों की सूजन दूर- तिल के तेल, सूरजमुखी के तेल और नारियल के तेल से होने वाले ऑयल पुलिंग के फायदे में मसूड़ों की सूजन को दूर करना भी शामिल है।

रोगप्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि- आयल पुलिंग से शरीर से परजीवी और विषाक्त पदार्थ साफ हो जाते हैं। इसके अलावा यह खून को शुद्ध करता है।

सांस की बदबू दूर- आयल पुलिंग सांस की बदबू से छुटकारा मिल सकता है।

सिरदर्द दूर करने के लिए- ऑयल पुलिंग प्रक्रिया मुंह को साफ करने के साथ-साथ माइग्रेन और सिरदर्द से छुटकारा दिलाने में भी असरदार है। स्किन के लिए फायदेमंद- ऑयल पुलिंग का रोजाना इस्तेमाल करने से हमारा खून धीरे-धीरे साफ नहीं लगता है।

ब्यूटी स्पॉट कहीं खतरे का संकेत तो नहीं

चेहरे या शरीर के किसी अन्य हिस्से पर दिखने वाले तिल या मस्से हमेशा ब्यूटी स्पॉट नहीं होते। अगर 20 की उम्र के बाद ऐसे तिल या मस्से शरीर के किसी भी हिस्से में निकलते हैं तो उनके प्रति सचेत रहना बेहद जरूरी है, क्योंकि वो खतरे की घंटी हो सकते हैं। इस समस्या के बारे में जानना बेहद जरूरी है।

फिल्म अभिनेत्री रेखा के होठों के ऊपर का तिल और रति अग्निहोत्री के चेहरे का तिल अनायास ही लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यह सच है कि चेहरे के किसी विशिष्ट स्थान का ब्यूटी स्पॉट आकर्षण का केंद्र होता है, लेकिन अगर आपके चेहरे पर अचानक से ही कोई तिल निकल आये तो आपको खुश नहीं होना चाहिए, बल्कि सावधान हो जाना चाहिए।

सावधानी है जरूरी

अधिकतर ब्यूटी स्पॉट 20 साल तक की उम्र में निकल जाते हैं, जो आमतौर पर हानिकारक नहीं होते, लेकिन अगर 20 साल के बाद अचानक से ही आपके चेहरे पर ब्यूटी स्पॉट यानी तिल या मस्सा निकले तो उसकी निगरानी जरूरी है। यह जरूरी नहीं कि आपके शरीर पर ब्यूटी स्पॉट खतरे की निशानी ही हो, लेकिन डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है।

परमानन्द चैरिटेबल हॉस्पिटल में त्वचा रोग विशेषज्ञ

डॉ. राकेश भारद्वाज का कहना है कि कई बार अचानक ही चेहरे पर तिल और मस्सा निकलने लगता है। अगर जन्म के समय से ही आपके चेहरे पर मस्सा या तिल है तो वह हानिकारक नहीं होता, लेकिन अचानक से ही चेहरे पर बहुत ज्यादा तिल निकलने लगें तो यह खतरे की निशानी हो सकते हैं।

जैसे ही आपके चेहरे पर तिल या मस्सा निकले तो आप उसका निरीक्षण करें। अगर उसमें बदलाव होने लगे तो फिर तुरंत ही त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें। इस बात का पता चल जाने पर कि आपके चेहरे पर निकला ब्यूटी मार्क हानिकारक है, उसे निकाल कर शरीर के दूसरे हिस्सों में होने वाले संक्रमण को रोका जा सकता है।

जांच है जरूरी

रॉकलैंड हॉस्पिटल में डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. राकेश वोहरा का कहना है कि तिल या मस्से को कई बार लोग बिना किसी चेकअप के लेजर तकनीक से हटवा लेते हैं, जो गलत है। तिल या मस्से को हटवाने से पहले जांच करवा लेनी चाहिए, ताकि पता चल सके कि वह कैंसर का कारण तो नहीं।

अलग-अलग होते हैं ब्यूटी स्पॉट

जब चेहरे पर कोई तिल या मस्सा निकलता है तो छोटे आकार में हल्के भूरे रंग का होता है, लेकिन समय के साथ यह अलग आकार और रंग में बदल सकता है।

यह बदलाव ब्यूटी स्पॉट के रूपरंग पर निर्भर करता है। जो मोल्स जन्म के समय से ही शरीर पर होते हैं, उन्हें कंजेनिटल मोल्स के तौर पर जाना जाता है। एक प्रतिशत लोग ही ऐसे होते हैं, जिनके शरीर पर जन्म के समय कोई तिल या मस्सा होता है। आगे चल कर यह त्वचा संबंधी समस्या का कारण बन सकता है, लेकिन यह जरूरी नहीं है।

जब चेहरे पर एक साथ बहुत सारे तिल या मस्से निकल आएं तो इसे एचायर्ड मोल्स के नाम से जाना जाता है। यह बहुत ज्यादा धूप में रहने की वजह से भी हो जाते हैं। इससे बचने के लिए धूप से बचाव जरूरी है। ये खतरनाक नहीं होते।

कई बार चेहरे पर असामान्य आकार के स्पॉट नजर आने लगते हैं, जो या तो गहरे भूरे रंग के होते हैं या फिर लाल रंग के। इनका आकार बढ़ता जाता है। अगर आपके चेहरे पर इस तरह के निशान नजर आएं तो डॉक्टर से संपर्क करें।

देश से नक्सलवाद अब अंतिम चरण में !

अजय दीक्षित

तिरुपति से पशुपतिनाथ तक लाल डोरा बनाने वाले क्षेत्र भारत से नक्सलवाद अब अंतिम चरण में है। 21 मई को दंतेवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों की नारायणपुर में हुई मुठभेड़ में सुप्रीम कमांडर यानी नक्सलियों का राष्ट्रीय महासचिव बसव राजू अपने सताइस साथियों के साथ मारा गया है। बसव राजू 1980 से नक्सलवाद से जुड़ा था।बताया जाता है कि वह 50 नक्सलियों की चार लेयर वाली सुरक्षा में रहता था और इसके ऊपर डेढ़ करोड़ का इनाम था ।

1967 में माओवाद के नाम पर आरंभ हुआ नक्सलवाद 80,90,2000,2010 के दशक में छत्तीसगढ़, झारखंड, आंध्र प्रदेश, ओड़िशा के एक बड़े हिस्से में आतंक का पर्याय रहा है। जिसमें छत्तीसगढ़ के घने जंगलों में इनका राज रहा था। पुलिस अधिकारियों की यहां पद स्थापना होते ही रूह कांप जाती थी इतना ही नहीं पुलिस इन नक्सलियों के डर से अपनी बर्दी भी नहीं पहनते थे।लगभग आदी शताब्दी चले इस आंदोलन ने हजारों पुलिस अधिकारी शहीद कर दिए।कई आइपीएस अधिकारियों ने भी अपनी जान दी । छी रम घाटी में छत्तीसगढ़ की पूरी कांग्रेस पार्टी जिसमें महेंद्र कर्मा, नंदकुमार साय, विद्याचरण शुक्ल सहित 40 नेता एक ही हमले में मारे गए।

1967 में चारु मजूमदार, कीनू कन्याल,द्वारा चीन के माओवाद से प्रभावित हो कर भारत सरकार के खिलाफ सशस्त्र हिंसक आंदोलन खड़ा किया और उसकी जन्मभूमि थी नक्सलबाड़ी जो पश्चिमी बंगाल में है। आरंभ में यह लोग जमीन,जंगल, जंगली जातियों,ट्राइब्स,के अधिकारों की मांग कर ते थे। चारु मजूमदार और कन्याल ने अपनी जड़े पहले,पूर्व के बस्तर क्षेत्र में जमाई।फिर शनै शनै नक्सलियों ने पूरा एक क्षेत्र बना लिया जिसमें इन की ही सत्ता चलती है ।

मप्र के बालाघाट जिले, छत्तीसगढ़ के दांतेवाड़ा, जगदलपुर, चांपा, तेलंगाना का नलगोंडा,सूर्यपेठ, खम्मम, ओडिशा का कालाहांडी, झारखंड के कुछ हिस्सा को मिलाकर एक लालडोरा क्षेत्र बना लिया जिसमें लाखों आदिवासी लोगों को अपने हिंसक आंदोलन से जोड़ा, इतना ही नहीं इन नक्सलियों ने बड़ी मात्रा में हथियार,लैंड माइन्स,गोला बारूद भी चीन से हासिल किया।पूरे क्षेत्र में बन ठेकेदारों,सड़क निर्माण में कार्य कर रहे मालिक से प्रति वर्ष करोड़ों रुपए बसूल कर लिया।

नक्सलियों ने पूरे लाल्दोरा को अपने दोहन साधन बना लिया था।ये लोग खनिज विभाग के ठेकेदारों से महीने की एक मुश्त रकम ऐंठते थे । शासकीय सेवा में लगे लोग भी तीस प्रतिशत राशि देते थे। अगर आनाकानी की तो मौत हो उनकी सजा थी। कौन ठेठेदार टेंडर जारी करेगा यह सब जगदलपुर, रायपुर,में बैठा प्रधान तय करता था ।

नक्सलियों का एक उद्देश्य था कि पूरे तंत्र को इतना डरा कर रखो कि शासन की नीतियों को क्रियान्वयन नहीं हो सके ।एक बार जन चौपाल लगा रहे एक कलेक्टर को अपहत कर लिया। और उनको रिहा कर ने लिए शासन ने बकायदा फिरौती दी। कुछ गैर सरकारी संगठन भी इनकी आड़ में करोड़ों रुपए की सरकारी कार्यक्रम को दिल्ली में बैठे बैठे ही चला ती थी।नब्बे के दशक नक्सलियों का इतना जलजला हो गया कि ये लोग चुनावों को भी प्रभावित कर देते थे। राष्ट्रीय दल भी इनके सामने नतमस्तक थे। दिल्ली में भी इनकी एक लाभी थी जो इनको राजनीतिक संरक्षण देने का काम किया करती थीं। सीपीएम,सीपीआई

सीपीई माले फॉरवर्ड ब्लॉक, आरपीआई, का खुला संरक्षण था।इन नक्सलियों ने जंगलों में बड़े बड़े केंप बना लिए थे और अपनी अय्याशी के लिए भोले भाले आदिवासी महिलाओं को बड़े पैमाने पर रख रखा था नक्सलियों छद्म नाम पर पासपोर्ट बनवा लिया था और विदेश यात्रा करते थे। आदिवासियों को बकायदा वेतन दिया जाता था। नक्सली काफी पड़े लिखे थे और कई भाषाओं इंग्लिश, कन्नड़,तेलगु,हिंदी,बोलते थे।

केंद्र सरकार ने नक्सलवाद को लगाम लगाने के लिए बीएसएफ, सीआरपीएफ, सीआईएफएफ, आईटीबीपी,की सैकड़ों बटालियन भी लगाई लेकिन नतीजा नहीं निकला ।2014 भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार ने नक्सलवाद को लेकर दीर्घ कालीन नीति बनाई और उसमें गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद को समाप्त करने पर जोर दिया। 2024 में 380 नक्सलियों का सफाया हुआ।

अब जाकर नक्सलियों की चूल हिली है। 21 मई को हुए एनकाउंटर में बसव राजू नमक एक करोड़ इनामी नक्सली मारा गया है। बसव राजू के बारे में बताया जाता है कि वह अभी फिलिपीन से लौटा था।अभी हिड़मा,देवा,सहदेव, नामक नक्सली,सुकमा घाटी में घिर गए हैं। केंद्र सरकार ने दावा किया है कि 2026 तक नक्सलवाद भारत से समाप्त हो जाएगा।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

एवोकाडो खरीदते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान, सही होगा चयन

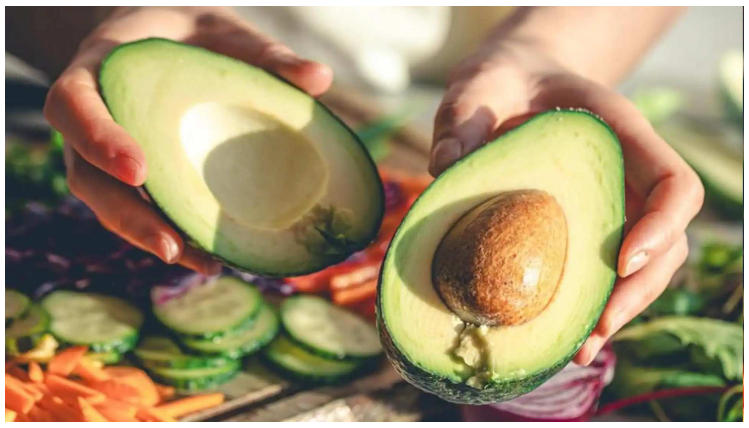

एवोकाडो एक पौष्टिक फल है, जो कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसे खरीदते समय सही चयन करना बहुत जरूरी है ताकि आपको पका हुआ और स्वादिष्ट फल मिल सके। इस लेख में हम आपको एवोकाडो खरीदते समय ध्यान रखने योग्य पांच महत्वपूर्ण बातें बताएंगे, जिससे आप हमेशा सही एवोकाडो का चयन कर सकें और अपने खान-पान का मजा दोगुना कर सकें। इन सुझावों को अपनाकर आप अपने एवोकाडो का सही उपयोग कर पाएंगे।

रंग पर ध्यान दें

एवोकाडो खरीदते समय उसके रंग पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। पका हुआ एवोकाडो गहरे हरे या काले रंग का होता है, जबकि अधपका एवोकाडो हल्के हरे रंग का होता है। हरे रंग का एवोकाडो कुछ दिनों बाद पकता है इसलिए अगर आप तुरंत इस्तेमाल करना चाहते हैं तो गहरे रंग वाला एवोकाडो चुनें। इसके अलावा अगर आप लंबे समय तक रखना चाहते हैं तो हल्के हरे रंग वाला एवोकाडो बेहतर रहेगा।

छिलके की स्थिति देखें

एवोकाडो के छिलके की स्थिति भी अहम होती है। अगर छिलके पर कोई निशान या खरोंच हो, तो समझ जाइए कि वह फल जल्दी खराब हो सकता है। इसलिए हमेशा बिना निशान वाला एवोकाडो चुनें। इसके अलावा अगर एवोकाडो बहुत ज्यादा मुलायम हो तो उसे न खरीदें क्योंकि ऐसा फल पहले से ही पका हुआ होता है और उसे जल्दी इस्तेमाल करना पड़ता है। सही एवोकाडो चुनने के लिए छिलके की स्थिति का ध्यान रखना जरूरी है।

आकार पर गौर करें

एवोकाडो का आकार भी उसके पकने का संकेत देता है। आमतौर पर बड़ा एवोकाडो पका हुआ होता है, जबकि छोटा एवोकाडो अधपका हो सकता है। हालांकि, इसका हमेशा यही मतलब नहीं होता कि छोटा फल अधपका ही होगा। कुछ बार छोटे फल भी पके हुए मिल सकते हैं इसलिए आकार के साथ-साथ रंग और छिलके की स्थिति पर भी ध्यान दें।

इस तरह आप सही एवोकाडो का चयन कर सकते हैं और अपने खाने का मजा बढ़ा सकते हैं।

गंध का अनुभव करें

एवोकाडो खरीदते समय उसकी गंध का अनुभव करना भी एक अच्छा तरीका हो सकता है। पके हुए एवोकाडो से हल्की मीठी खुशबू आती है, जबकि अधपके एवोकाडो में कोई खास गंध नहीं होती। अगर आपको किसी फल से अच्छी खुशबू आ रही हो तो वह पका हुआ माना जा सकता है। इसके अलावा गंध से यह भी पता चल सकता है कि फल कितनी देर तक ताजा रहेगा।

मौसम का ध्यान रखें

एवोकाडो का मौसम भी महत्वपूर्ण होता है। गर्मियों में एवोकाडो बाजार में आसानी से मिल जाते हैं, लेकिन सर्दियों में इनकी उपलब्धता कम होती है इसलिए इस समय महंगे दाम पर मिलते हैं। अगर आप सही समय पर एवोकाडो खरीदते हैं तो न केवल पैसे बचाएंगे बल्कि ताजगी भरा फल भी मिलेगा। इस तरह इन पांच आसान टिप्स को अपनाकर आप हर बार सही एवोकाडो चुन सकते हैं और अपने खाने का मजा बढ़ा सकते हैं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -59

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

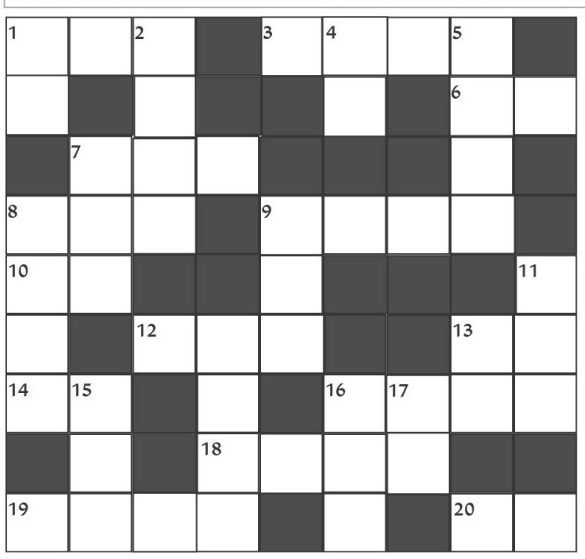

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 58 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

अब वॉर-ड्रामा फिल्म करेंगे सलमान खान!

सलमान खान पिछली बार फिल्म सिकंदर में नजर आए थे, लेकिन न तो उनकी इस फिल्म की कहानी दर्शकों को पसंद आई और ना ही सलमान ने दर्शकों का दिल जीता। फिल्म के फ्लॉप होने के बाद से सलमान कई निर्माताओं से मुलाकात कर रहे थे और अपनी अगली फिल्म को लेकर बहुत सोच-विचार कर रहे थे। अब खबर है कि उन्होंने फिल्म को हरी झंडी दे दी है और शूटिंग शुरू करने के लिए पूरी तरह से तैयार है पिछले 3 महीनों से सलमान अपनी अगली फिल्म के लिए निर्माताओं से बातचीत कर रहे थे। उनके गैलेक्सी अपार्टमेंट और उनके पनवेल फार्महाउस में खूब चहल-पहल रही। स्क्रिप्ट को लेकर निर्देशकों का सलमान के घर आना-जाना लगा रहा। अली अब्बास जफर से लेकर राज शांडिल्य, सिद्धार्थ आनंद, राजकुमार पेरियासामी, अनीस बज्मी, कृष आहिर और कबीर खान जैसे निर्देशकों से उनकी बातचीत जारी थी, लेकिन अपूर्व लाखिया की एक एक्शन थ्रिलर फिल्म की कहानी सलमान के दिल में घर कर गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान ने गलवान घाटी 2020 संघर्ष पर आधारित एक वॉर-ड्रामा फिल्म को अपनी अगली फिल्म के रूप में चुन लिया है, जिसे अपूर्व लाखिया निर्देशित करने जा रहे हैं। इस फिल्म में सलमान एक आर्मी अफसर का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे।

अभिनेता निर्देशक के साथ इसी साल जुलाई में फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। यह फिल्म लेखक शिव अरूर और राहुल सिंह की किताब इंडियाज मोस्ट फीयरलेस 3 से प्रेरित है। फिल्म को लद्दाख और मुंबई में शूट किया जाएगा। ये 70 दिनों का शेड्यूल होगा। इसकी कहानी 2 रात की होगी, लेकिन इसे वास्तविक जगहों और सेट पर पूरे 70 दिनों के लिए शूट किया जाएगा। फिल्म में सलमान के साथ युवा पीढ़ी के 3 सितारे नजर आएंगे। निर्देशक ने लोकेशन की रेकी शुरू भी कर दी है। वह चाहते हैं कि फिल्म का बड़ा हिस्सा असल जगहों पर शूट हो, ताकि जनता को बढ़िया सिनेमाई अनुभव दिया जा सके। सलमान निर्देशक कबीर खान के साथ मिलकर बजरंगी भाईजान 2 भी बनाना चाहते हैं.,लेकिन कबीर इस प्रोजेक्ट से बच रहे हैं। वह बजरंगी भाईजान के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं करना चाहते। रिपोर्ट के मुताबिक इसकी जगह कबीर ने सलमान को एक ओरिजनल स्क्रिप्ट सुनाई है, जिसमें सलमान का अब तक का सबसे शानदार किरदार होने वाला है, लेकिन अभिनेता ने अभी इस फिल्म के लिए अपनी रजामंदी नहीं दी है।

तुर्किये बॉयकॉट पर बोलीं मंजरी फडनीस, देश सबसे पहले

भारत-पाकिस्तान तनाव पर पड़ोसी देश का समर्थन करने वाले तुर्किये का आम लोगों के साथ ही फिल्म जगत के सितारे भी विरोध करते नजर आ रहे हैं। भारत में तुर्किये बॉयकॉट की मांग उठने लगी है। अभिनेत्री रूपाली गांगुली, कुशाल टंडन, विशाल मिश्रा के बाद अब अभिनेत्री-गायिका मंजरी फडनीस की प्रतिक्रिया सामने आई है। मंजरी ने तुर्किये बॉयकॉट पर कहा कि वह देशभक्त हैं और सबसे पहले देश आता है। जब उनसे पूछा गया कि तुर्किये और अजरबैजान जैसे देशों ने आतंकवाद पर पाकिस्तान का खुलेआम समर्थन किया है तो क्या पर्यटन और अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने के लिए उनका बहिष्कार किया जाना चाहिए? इस पर फडनीस ने स्पष्ट किया कि वह किसी भी ऐसे देश या व्यक्ति का समर्थन नहीं कर सकतीं जो उनकी मातृभूमि का अनादर करता है या उसका विरोध करता है। उनके लिए, राष्ट्रीय गौरव और निष्ठा सबसे पहले है। वह हर चीज से ऊपर अपने देश के साथ मजबूती से खड़ी रहना पसंद करती हैं।

मंजरी फडनीस ने बताया, कोई भी देश या व्यक्ति जो मेरे देश का अनादर करता है या उसके खिलाफ खड़ा होता है, मैं उनका समर्थन नहीं कर सकती। मेरी निष्ठा हमेशा मेरे देश के प्रति है। अभिनेत्री-गायिका ने बताया, मेरे घर का माहौल देशभक्ति वाला रहा है। मैं एक आर्मी परिवार से ताल्लुक रखती हूं, मेरे पिता ने सेना में ड्यूटी की है। मैं देशभक्त हूं। मैंने अपना पूरा बचपन सेना के अधिकारियों के बीच बिताया। मैंने खुद देखा है कि भारतीय सेना कैसे काम करती है और वे कितने समर्पित और अनुशासित हैं। उस अनुभव ने मुझे देश के साथ गहरा और मजबूत संबंध बनाने में मदद की। बातचीत के दौरान मंजरी ने सोशल मीडिया पर शेयर किए गए पोस्ट पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया, जरूरी नहीं कि सोशल मीडिया पर आप पोस्ट शेयर नहीं कर रहे हैं तो देश के प्रति आपकी भावनाएं नहीं हैं। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमारे देश ने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी है, उस पर मुझे गर्व है। मुझे लगता है कि हम सभी देश के लिए एकजुटता में एक साथ आए हैं, देश की एकता देखने को मिली।(आरएनएस)

ब्लैक साड़ी में सुष्मिता सेन ने बिखेरा हुस्न का जलवा

सुष्मिता सेन एक बार फिर अपने स्टनिंग लुक को लेकर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने ब्लैक कलर की साड़ी में बेहद ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिसमें उनका बोल्ड और कॉन्फिडेंट अंदाज़ फैंस को खूब पसंद आ रहा है। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा, अंधेरे से नहीं डरता, मुझे कभी भी काला रंग दे दो।।। एक रंग ढ्ढ एक कवच के रूप में मनाएं। सुष्मिता के इस लेटेस्ट फोटोशूट में वह ब्लैक साड़ी के साथ सिल्वर ब्लाउज़ में नज़र आ रही हैं, जो उनके स्टाइलिश और एलिगेंट पर्सनैलिटी को बखूबी दर्शाता है। खुले बाल, डार्क मेकअप और दमदार एक्सप्रेशन उनके लुक को और भी अट्रैक्टिव बना रहे हैं।

एक्ट्रेस ने अपनी इस पोस्ट में अपनी टीम का भी शुक्रिया अदा किया है, जिसमें मेकअप आर्टिस्ट से लेकर फोटोग्राफर और आउटफिट डिजाइनर तक का ज़िक्र किया गया है। इस पोस्ट को अब तक 1 लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं और कमेंट सेक्शन में फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

किसी ने उन्हें शान की रानी कहा तो कोई उनकी खूबसूरती को कालातीत बता रहा है। यह तस्वीरें यह साबित करती हैं कि सुष्मिता सेन न सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस हैं, बल्कि फैशन और आत्मविश्वास की भी मिसाल हैं।

सुष्मिता सेन अक्सर अपने डिफरेंट फैशन स्टाइल और मोटिवेशनल सोच के लिए जानी जाती हैं। उनकी यह तस्वीरें एक बार फिर दर्शा रही हैं कि कैसे वह हर लुक को आत्मविश्वास के साथ कैरी करती हैं और एक मजबूत महिला की परिभाषा पेश करती हैं। (आरएनएस)

एक मॉडल, डांसर और अभिनेत्री हैं आकांक्षा शर्मा!

सुनील शेट्टी और विवेक ओबेरॉय की फिल्म केसरी वीर पिछले माह 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसके जरिए सूरज पंचोली ने 4 साल बाद बॉलीवुड में वापसी की है। अभिनेत्री आकांक्षा शर्मा भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। उन्होंने इस फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा है। फिल्म में उनकी अदाकारी की तारीफ हो रही है। ऐसे में हर ओर उनकी चर्चा है। आइए जानें आखिर आकांक्षा हैं कौन। आकांक्षा पेशे से एक मॉडल, डांसर और अभिनेत्री हैं। उन्होंने साल 2020 में आई कन्नड़ फिल्म त्रिविक्रम के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। अपने शुरुआती दिनों में ही आकांक्षा ने साउथ इंडस्ट्री के बड़े-बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन साझा की है। वह साउथ सुपरस्टार महेश बाबू और बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन के साथ विज्ञापन में भी काम कर चुकी हैं। आकांक्षा को बॉलीवुड में पहचान रैपर बादशाह के सुपरहिट गाने जुगनू से मिली, जिसमें वह बेहतरीन डांस करती दिखीं। इसके अलावा आकांक्षा, टाइगर श्रॉफ के साथ कैसेनोवा और आई एम ए डिस्को डांसर 2.0 जैसे म्यूजिक वीडियो में भी दिखाई दे चुकी हैं। इन दोनों गानों में आकांक्षा और टाइगर की केमिस्ट्री को काफी पसंद किया गया था। बता दें, आकांक्षा सोशल मीडिया पर खूब सक्रिय रहती हैं। उन्हें इंस्टाग्राम पर 10 लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं।

भारत ने तुर्किये को रणनीतिक रूप से घेरा

कुलदीप सिंह भाटी

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद आतंकियों को सबक सिखाने और आतंकवाद के प्रति भारत की असहिष्णुता की नीति के तहत भारत ने पड़ोसी देश पाकिस्तान में %ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। इससे बौखलाए पाकिस्तान ने भारत पर सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी थी।

हालांकि बाद में पाकिस्तान ने घबराकर संघष-विराम का प्रस्ताव रखा जिसे भारत ने सशर्त स्वीकार कर लिया। पाकिस्तान के साथ इस सैन्य-संघर्ष में भारत के विरुद्ध प्रतिक्रिया देने और नापाक इरादों वाले पाकिस्तान का साथ देने वाले देशों विशेषत- तुर्किये और अजरबैजान के लिए भारत में बहुत नाराजगी देखी जा रही है।

इस संघर्ष में तुर्किये ने जिस तरीके से भारत के खिलाफ वाक-युद्ध छेड़ा, यह संप्रभु भारत के लिए असहनीय व अस्वीकार्य था। तुर्किये ने न केवल मीडिया व अन्य मंचों पर भारत के विरु द्ध बयान दिए बल्कि पाकिस्तान को इस संघर्ष में सैन्य संसाधन उपलब्ध करवा कर सहायता भी की। 14 मई को तुर्किये प्रधानमंत्री अर्दोआन ने पाकिस्तान को अपना दोस्त बताते हुए भारत के खिलाफ विष वमन किया। संघर्ष के दौरान भारत पर हुए ड्रोन हमलों में प्रयुक्त बेयकर यीहा 3 और असीसगार्ड सोंगर नामक ड्रोन भी तुर्किये ने ही उपलब्ध कराए। इसके बाद भी जब पाक-सेना इनको ठीक से प्रयोग करने में अक्षम रही तो तुर्किये ने अपने तकनीकी विशेषज्ञों तक को सहायता के लिए पाकिस्तान भेजा था।

भारत ने पाकिस्तान के प्रति तुर्किये के इस समर्थन व सहयोग को परोक्ष रूप से आतंकवाद व इसकी समर्थक सत्ताओं के लिए प्रोत्साहक माना। पाकिस्तान से सीजफायर के बाद भारत ने तुर्किये पर महत्त्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए कूटनीतिक तरीके से इसके भारत के साथ हो रहे विदेशी-व्यापार को लक्ष्य बनाया। तुर्किये ने पाकिस्तान को अपना महत्त्वपूर्ण मित्र राष्ट्र तो बताया पर वह यह भूल गया कि

भारत ही वह देश है जिसने 2023 में उसके देश में आए भूकंप पर ऑपरेशन दोस्त के तहत सबसे पहले व सबसे तेज 12 घंटे में राहत सामग्री, बचाव उपकरण, सेना व एनडीआरएफ की टीम भेजी थी। दगाबाज तुर्किये का यह दुष्कृत्य न केवल सरकार बल्कि यहां के जनमानस के लिए भी अस्वीकार्य था।

अत- हमारी सरकार द्वारा विरोधस्वरूप तुर्किये के विरुद्ध कुछ प्रतिबंधात्मक कदम उठाए जाते, इससे पहले ही हमारी राष्ट्रवादी जनता ने स्वत- संज्ञान लेकर स्वविवेक से तुर्किये से आयातित उत्पादों का बहिष्कार कर उनके विरु द्ध मोर्चा खोल दिया। सर्वप्रथम देशवासियों ने तुर्किये के पर्यटन व्यवसाय पर चोट की और वहां घूमने जाने वाले भारतीयों ने बड़ी संख्या में अपने टिकिट रद्द करवाए। ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और ट्रैवल एजेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने 9 मई को घोषणा की कि वे अब तुर्की और अजरबैजान के लिए पैकेजों का प्रचार या बिक्री नहीं करेंगे। इससे तुर्किये को होने वाले आर्थिक नुकसान का अनुमान लगाया जा सकता है।

वर्ष 2024 में लगभग 3.30 लाख भारतीय पर्यटकों ने तुर्किये की यात्रा की, जिसका वहां की अर्थव्यवस्था में करीब 3000 करोड़ रुपये का योगदान था। विरोध के इस रास्ते को धीरे-धीरे अन्य उद्योगों ने भी अपनाया। देश के फल व्यापारियों ने तुर्किये से आयात होने वाले सेबों का बहिष्कार करना शुरू कर दिया। पर्यटन और बागवानी फसल सेब के बाद तुर्किये के मार्बल उद्योग पर भी भारत ने प्रहार किया है।

तुर्किये से भारत विभिन्न प्रकार के मार्बल जिसमें ब्लॉक और स्लैब शामिल है, का आयात करता है। अब मार्बल आयात को पूर्णत- प्रतिबंधित कर दिया है। भारत में विभिन्न देशों से आयात होने वाले कुल मार्बल का 70 प्रतिशत आयात अकेले तुर्किये से होता है। राष्ट्र-हित व देश के प्रति उद्योग जगत की प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि इसके बाद भारत ने तुर्किये से आयात होने वाले ज्वेलरी उद्योग पर भी स्ट्राइक कर दी है।

पिछले कुछ समय से भारत में तुर्किये में बनी कम वजन की ज्वेलरी खूब प्रचलन में आई है। इसने हमारे स्थानीय बाजारों में धूम मचा रखी है। फलत- बाजार में इसकी मांग भी तेजी से बढ़ने लगी। अब तुर्किये को घुटनों पर लाने के लिए अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) के अध्यक्ष ने देश के सभी आभूषण विक्रेता, निर्माता, व्यापारी और थोक विक्रेता से तुर्किये से सभी लेन-देन बंद करने की अपील की है। इसके अतिरिक्त इन मुख्य आयातकों वस्तुओं या उत्पादों के साथ ही सब्जियों, चूना, सीमेंट, खनिज-तेल, रसायन, प्राकृतिक या संवर्धित मोती, लोहा और इस्पात आदि के आयात पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ना शुरू हो गया है।

इसके साथ ही भारत के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म भी इसके उत्पादों को अपने पोर्टल से हटा रहे हैं। निष्कषत- भारत ने तुर्किये को पाकिस्तान का साथ देने के लिए रणनीतिक रूप से घेरा है। तुर्किये के व्यापार और वाणिज्य पर भारत की यह एक सफल ट्रेड स्ट्राइक है जिसके परिणाम वर्तमान के साथ निकट भविष्य में और बेहतर रूप से निकलकर आएंगे। यह कदम विश्व के दूसरे विरोधी देशों के लिए भी एक चेतावनी है कि भारत अब न केवल पाकिस्तान बल्कि उसके दुष्कृत्यों में उसका साथ देने वालों को भी अपने तरीके से सबक सिखाएगा।

मशहूर लेखिका वर्जीनिया वुल्फ की किताब में डूबी सृति झा, गहरी भावनाओं को साझा किया

टीवी एक्ट्रेस सृति झा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इन दिनों वह मशहूर लेखिका वर्जीनिया वुल्फ की प्रसिद्ध नारीवादी किताब ए रूम ऑफ वन्स ओन पढ़ रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर इस किताब को पढ़ते हुए एक पोस्ट शेयर की, जिसमें देखा जा सकता है कि वह इस किताब में कितनी डूबी हुई हैं।

बता दें कि ए रूम ऑफ वन्स ओन में वर्जीनिया वुल्फ ने औरतों के लिए रचनात्मक आजादी और आर्थिक स्वतंत्रता की जरूरत को रेखांकित किया है। यह किताब इस विचार पर आधारित है कि एक औरत को अगर लेखन या किसी भी रचनात्मक काम में सफल होना है, तो उसके पास अपने आर्थिक संसाधन होने चाहिए।

एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। पहली तस्वीर में किताब का क्लोज-अप है, जिसमें किताब पर लिखा नाम ए रूम ऑफ वन्स ओन साफ नजर आ रहा है। दूसरी तस्वीर में चाय के कप के साथ पढ़ते हुए कुछ बेपरवाह लम्हे मौजूद हैं। इस तस्वीर में वह एक कप चाय के साथ आराम से बैठकर किताब पढ़ रही हैं। तीसरी तस्वीर किताब के एक पैराग्राफ की है, जिसमें गहराई और भावनात्मकता का अंश है।

तस्वीर में आए किताब के अंश में लिखा है, हाय! अगर कोई औरत कलम चलाने की कोशिश करती है, तो उसे बहुत घमंडी माना जाता है। उसका यह दोष सुधारे जाने लायक नहीं था। लोग कहते हैं कि अच्छा व्यवहार, फैशन, डांस, सजना-संवरना यही सब गुण हैं जो एक महिला में होने चाहिए। अगर हम लिखें, पढ़ें, सोचें या कुछ जानना चाहें, तो कहा जाता है कि इससे हमारी सुंदरता फीकी पड़ जाएगी, हमारा समय बर्बाद होगा। घर संभालना, वो भी एक दास की तरह.. यही कुछ लोगों की नजर में महिला का असली हुनर और मकसद है।

इस पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में उन्होंने किताब का अंश जोड़ा, जिसमें कहा गया कि इतिहास में जिन औरतों को पागल, चुड़ैल, या भूत-प्रेत से ग्रसित बताया गया, वो शायद असल में बेहद प्रतिभाशाली लेखिकाएं, कवयित्रियां, उपन्यासकार थीं, जिन्हें समाज ने समझा नहीं, स्वीकार नहीं किया और उनके हुनर को दबा दिया गया।

सृति झा ने टीवी इंडस्ट्री में असली पहचान प्रज्ञा अरोरा मेहरा के किरदार से पाई, जिसे उन्होंने पॉपुलर टीवी शो कुमकुम भाग्य में निभाया था। इस किरदार से वह घर-घर में मशहूर हो गईं।

उन्होंने अपना एक्टिंग करियर 2007 में शुरू किया था। वह पहली बार एक ड्रामा शो धूम मचाओ धूम में नजर आईं। इस शो में उन्होंने मालिनी शर्मा की भूमिका निभाई थी। इसके बाद वह ज्योति, रक्त संबंध, दिल से दी दुआ...सौभाग्यवती भव? जैसे सीरियल्स में नजर आईं।(आरएनएस)

मोबाइल उपभोक्ताओं को कॉल कनेक्ट में समस्या

लोकल सर्किल्स के सर्वेक्षण से पता चला है कि 89% मोबाइल उपभोक्ताओं को कॉल कनेक्ट होने में समस्या हो रही है। इनमें से 40% ने अक्सर ऐसी स्थिति का सामना करने की बात की।

देश के 342 जिलों के रहवासियों से सव्रेक्षण में छप्पन हजार से अधिक प्रतिक्रियाएं ली गई। कॉल करने में दिक्कत के अलावा अचानक फोन कटने की भी शिकायतें आम हैं। जिससे उपभोक्ताओं को बार-बार डेटा/वाई-फाई कॉल यानी व्हाट्सएप, फेसटाइम या स्काइप करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। डाटा फॉर इंडिया के मुताबिक बीते साल ही भारत में हर सौ लोगों पर 81 मोबाइल कनेक्शन हो चुके हैं। हालांकि इसमें कई लोगों के पास दो से ज्यादा कनेक्शन भी हो सकते हैं।

फिर भी अंदाजन इस वक्त 84त्न से अधिक भारतीयों के पास मोबाइल कनेक्शन है, जिसमें स्मार्ट फोन उपभोक्ताओं की संख्या 2026 में सौ करोड़ पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। इंटरनेट के प्रयोग और रोजमर्रा में फोन की आवश्यकता ने नौजवानों को मोबाइल कनेक्शन के प्रति बेहद आकृष्ट किया है। आंकड़ों के अनुसार दुनिया के शीर्ष दस दस विकसित देशों की तीन चौथाई आबादी के हाथ में स्मार्टफोन है। बावजूद इसके कंपनियां उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा देने में बुरी तरह नाकाम हैं।

इसके लिए सरकार का लापरवाह रवैया भी कम दोषी नहीं कहा जा सकता। उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम होने के बावजूद कंपनियों द्वारा लगातार उनकी उपेक्षा की जाती है। फोन कनेक्शन बढ़ने से उत्साहित टेलीकॉम कंपनियों को अपनी सेवाओं को लेकर सतर्क और जवाबदेह बनना होगा। किसी भी व्यावसायिक प्रतिष्ठान के उत्तरदायित्वों के निर्वहन में होने वाली कोताही के प्रति सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए।

यदि फोन कंपनियों का इन्फ्रास्ट्रक्चर यह भार सहन करने में सक्षम नहीं है तो वे नये कनेक्शन तब तक देने में हाथ सिकोड़ सकती हैं। जब तक उनका सिस्टम सटीक नहीं हो जाता। जब तारों द्वारा जोड़े जाने वाले लैंड लाइन होते थे, तब लाइन्स सीमित होने के कारण व्यस्त समय में उपभोक्ताओं को सभी लाइनें व्यस्त हैं, जैसी सूचना देने की सुविधाएं थीं। अब तमाम तकनीकी सुविधाओं और मोटी रकम चुकाने वाले उपभोक्ता को फोन कंपनियों की यह जानबूझकर की जा रही लापरवाही क्यों बर्दाश्त करनी पड़ रही है। सरकार और दूरसंचार मंत्रालय को इस पर कड़े कदम उठाने होंगे। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र.59

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.58 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

एसबीएस कॉलेज में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

रुद्रपुर। 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुद्रपुर में यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा एक पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया ।

इस वर्ष की विश्व पर्यावरण दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण की समाप्ति विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी का प्रारम्भ मुख्य वक्ता अर्थशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रद्युम्न कुमार रिछारिया के उद्बोधन से हुआ। डॉ. रिछारिया ने दैनिक जीवन में किस तरह से प्लास्टिक का इस्तेमाल किया जाय इस पर विस्तार से जानकारी दी । आपने प्लास्टिक के उपयोग, पुन: उपयोग और कम उपयोग के माध्यम से चरणबद्ध तरीके से इससे निपटने के उपाय बताए। इसके पश्चात महाविद्यालय के यूथ रेड क्रॉस प्रभारी डॉ राजेश कुमार सिंह ने उपस्थित स्वयंसेवियों को पर्यावरण संरक्षण के लिए व्यक्तिगत स्तर पर किए जा सकने वाले छोटे छोटे प्रयासों के बारे में विस्तार से बताया। इस विचार गोष्ठी में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ.सर्वजीत सिंह तथा महाविद्यालय की रेडक्रॉस इकाई की स्वयंसेवी रश्मि गंगवार, शालनी, विजय आर्या, दिया, कैलाश चौधरी, प्रशांत कुमार तथा साक्षी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में महाविद्यालय की यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी और निर्माण समिति के सहयोग से सरकार की श्एक पेड़ मां के नामश की महत्वाकांक्षी परियोजना को साकार रूप देने के लिए महाविद्यालय में एक अमृत वाटिका के निर्माण पर भी सहमति बनी । निर्माण समिति के संयोजक डॉ.प्रद्युम्न कुमार रिछारिया ने इस अमृत वाटिका की संकल्पना पर विस्तार से प्रकाश डाला और उपस्थित स्वयंसेवियों को इस प्रस्तावित वाटिका के एक-एक पेड़ को गोद लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस सोसाइटी सह प्रभारी डॉ राजेश कुमार मौर्य, डॉ.अलंकृता सिंह, डॉ.मनी साहनी तथा यूथ रेडक्रॉस सोसाइटी की चारों इकाईयों के स्वयंसेवियों ने प्रतिभाग किया।

प्रधानमंत्री आवास के लिए पंजीकरण हेतु सर्वे की सुविधा 18 जून तक

संवाददाता

देहरादून। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना में पंजीकरण हेतु सर्वे की सुविधा 18 जून तक खुली है। आज यहां जनपद देहरादून के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में पंजीकरण हेतु सर्वे की सुविधा 18 जून, 2025 तक खुली हुई है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने अपील की है कि जनपद के इच्छुक ग्रामीण आवासहीन परिवार सर्वे में अपना नाम दर्ज करने के लिए संबंधित विकासखंड में खंड विकास अधिकारी से संपर्क कर सकते है। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने बताया कि यह आवश्यक है कि इच्छुक ग्रामीण आवासहीन परिवार उसी ग्राम पंचायत के परिवार रजिस्टर में दर्ज हो, जिसमें वह पंजीकरण कराना चाह रहा है।

रेड क्रॉस सोसाइटी ने डियर पार्क में किया वृक्षारोपण

संवाददाता

देहरादून। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर मालसी डियर पार्क में वृक्षारोपण किया। आज यहां भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के कोषाध्यक्ष मोहन खत्री द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर मालसी डियर पार्क देहरादून में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर मोहन खत्री ने कहा कि यह केवल एक दिन नहीं बल्कि एक अवसर है एक आवाहन है कि हम सभी अपने पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियां को समझें और उन्हें निभाएं। हम जिस ग्रह पर रहते हैं वह हमारा घर है यह हमें जीवन देता है भोजन देता है पानी देता है और और उसे चीज को संभव बनाता है जिसकी हमें आवश्यकता है लेकिन दुर्भाग्य वश आज हम अपने इसी घर को नुकसान पहुंचा रहे हैं। खत्री ने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ और सुंदर बनाने हम सभी को आगे आना चाहिए और वृक्षारोपण अवश्य करना चाहिए।

सर्विस ट्रिब्युनल ने निरस्त किये एसएसपी व आईजी के आदेश

हमारे संवाददाता

काशीपुर। उत्तराखंड में सरकारी कर्मचारी अधिकारियों के सेवा सम्बन्धी मामलों का निर्णय करने वाले विशेष न्यायालय (ट्रिब्युनल) की नैनीताल पीठ ने एस.एस.पी. उधमसिंह नगर तथा आई.जी. कुमाऊं नैनीताल के पुलिस कांस्टेबल दिनेश कुमार के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही में दिये गये दण्ड आदेश को निरस्त कर दिया। ट्रिब्युनल की कैप्टन आलोक शेखर तिवारी की बेंच ने इस पुलिस कर्मी की याचिका पर एस.एस.पी तथा आई.जी. के आदेशों को अपास्त किया जाना श्रेयस्कर मानते हुये निरस्त कर दिया है।

वर्तमान में चंपावत जिले में तैनात पुलिस कांस्टेबल दिनेश कुमार की ओर से अधिवक्ता नदीम उद्दीन एडवोकेट ने उत्तराखंड लोक सेवा अधिकरण की नैनीताल बेंच में याचिका दायर की थी। इसमें कहा गया था कि वर्ष 2021 में जब यह पुलिस कर्मी उधमसिंह नगर जिले में तैनात थे तो डा. प्रेम सिंह राणा, विधायक नानकमत्ता, उधमसिंह नगर के तथाकथित पत्र दिनांक 07-06-2021 की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई जिसमें याची सहित विभिन्न पुलिस कर्मियों की सूची दी गयी थी। इस पर एस.एस.पी. उधमसिंह नगर द्वारा जन प्रतिनिधियों से स्थानांतरण के सम्बन्ध में सिफारिश कराकर कर्मचारी आचरण नियमावली का उल्लंघन करने वाले कर्मियों के विरूद्ध जांच कर आख्या उपलब्ध कराने

❑ट्रिब्युनल ने माना ऐसे आदेशों को निरस्त किया जाना ही श्रेयस्कर

का पुलिस अधीक्षक, नगर रूद्रपुर को आदेशित किया। उन्होंने अपनी जांच आख्या दिनांक 25-08-2021 में बिना स्वतंत्र साक्ष्यों तथा याची के पक्ष को विचार मे लिये बिना किसी सम्बद्ध कारण को उल्लेखित किये, बिना किसी वैध आधार के याची सहित सभी कर्मियों को दोषी होने का निष्कर्ष दे दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने इस जांच आख्या को आधार बनाते हुये अपने आदेश की चरित्र पंजिका में परिनिन्दा प्रविष्टि अंकित करने के दण्ड का आदेश दे दिया। पुलिस कांस्टेबिल द्वारा इसकी अपील आई.जी. कुमाऊं परिक्षेत्र नैनीताल को की गयी लेकिन उन्होंने भी अपील पर निष्पक्ष रूप से विचार किये बगैर अपने 24-07-2023 के अपील आदेश से अपीलं को निरस्त कर दिया। इस पर पुलिस कांस्टेबिल द्वारा अपने अधिवक्ता नदीम उद्दीन के माध्यम से उत्तराखंड लोक सेवा अधिकरण की नैनीताल पीठ में दावा याचिका दायर की गयी।

याची की ओर से नदीम उद्दीन ने विभागीय जांच, दण्ड आदेशों व अपील आदेश को निराधार तथा प्राकृतिक न्याय के उल्लंघन के आधार पर निरस्त होने योग्य बताया। उन्होने न्यायालय का ध्यान इस ओर कराया कि आश्चर्य का विषय यह है कि विधायक के जिस तथाकथित स्थानांतरण अनुशंसा पत्र को आधार बनाकर याची के विरूद्ध दण्डादेश पारित किया गया है उस अनुशंसित स्थान पर याची तीन माह पूर्व से ही कार्यरत चला आ रहा था। इसलिये सिफारिश करवाने या किसी अनुशासनिक अवहेलना का प्रश्न ही नहीं है। उत्तराखण्ड सरकार व पुलिस विभाग की ओर से सहायक प्रस्तुतकर्ता अधिकारी को आदेशों को सही तथा कानून के अनुसार होना बताया।

अधिकरण के सदस्य कैप्टन आलोक शेखर तिवारी की पीठ ने अधिवक्ता नदीम के तर्कों से सहमत होते हुये वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उधमसिंह नगर तथा आई.जी कुमाऊं के अपील आदेश को अपास्त किया जाना ही श्रेयस्कर प्रतीत होना मानते हुये निरस्त कर दिया। इसके साथ ही आदेश दिया गया कि आदेश की प्रमाणित प्रति वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के समक्ष प्रस्तुत किये जाने की तिथि से 30 दिवस के भीतर याची की चरित्र पंजिका व अन्य अभिलेखों में दर्ज दण्ड को विलुप्त करें तथा सभी सेवालाभ अवमुक्त करते हुये प्रदान किये जायें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्लास्टिक पर निर्भरता कम करने का लिया संकल्प

टिहरी (सं)। विश्व पर्यावरण दिवस पर पुलिस ने प्लास्टिक पर निर्भरता कम करने का संकल्प लिया। आज पुलिस कप्तान आयुष अग्रवाल के द्वारा पुलिस ऑफिस में कार्यरत समस्त पुलिस बल को विश्व पर्यावरण दिवस की शपथ दिलाई गई। (एंडिंग प्लास्टिक पौलूशन ग्लोबल) की थीम पर सभी अधिकारियों कर्मचारियों के द्वारा हर महीने एक प्लास्टिक वस्तु को पर्यावरण अनुकूल (इको फ्रेंडली) विकल से बदलने का एवं प्लास्टिक पर निर्भरता कम करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर एडिशनल एसपी जे आर जोशी , टिहरी श्रीमती ओशिन जोशी, सीओचंबा महेश लखेड़ा एवं अन्य कार्मिक मौजूद रहे। रिजर्व पुलिस लाइन चंबा में प्रतिसार निरीक्षक अमित कुमार द्वारा पुलिस बल को शपथ दिलाई गई। सभी थाना प्रभारी, शाखा प्रभारियों द्वारा भी अपने अपने क्षेत्र में विश्व पर्यावरण दिवस पर शपथ दिलाई गई।एवं थानों में पाधारोपण भी किया गया।

कारगिल शहीदों को सलाम: सेना के जवान पहुँचे घर-घर, परिजनों को भेंट किए स्मृति सम्मान चिन्ह

संवाददाता

देहरादून। कारगिल शहीदों को सलाम करते हुए सेना के जवानों ने घर-घर जाकर परिजनों को स्मृति सम्मान चिन्ह भेंट किए।

आज यहां कारगिल शहीदों को सलाम करते हुए सेना के जवान घर-घर पहुंचे और परिजनों को स्मृति सम्मान चिन्ह भेंट किए। वो चोटियाँ जहाँ आज तिरंगा लहराता है, वहाँ एक समय गोलियों की बौछार थी। पर हमारे वीरों ने हिम्मत नहीं हारी, बल्कि दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देकर भारत माता की शान बढ़ाई। कारगिल के उन अमर बलिदानियों को कोटि-कोटि नमन! आगामी 26वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर पूरे उत्तराखंड के सभी जिलों में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर भारतीय सेना की ओर से उन सभी शहीदों को याद किया, जिन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान दिया।

इस आयोजन में सेना के वरिष्ठ अधिकारी, पूर्व सैनिक, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। सेना की ओर से एक जागरूकता अभियान की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में नायब सूबेदार सुधीर चंद्र, और उनके अन्य साथियों ने सैन्य अनुशासन का परिचय देते हुए 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान अमर शहीदों की बहादुरी को याद किया और उनके परिवारों को सम्मानित किया। यह भावुक अवसर सभी उपस्थितों के लिए गर्व और श्रद्धा का प्रतीक बना। जवानों ने कहा 'हम अपने वीर साथियों को भूले नहीं हैं, न कभी भूलेंगे। यह हमारा कर्तव्य नहीं, हमारी भावना है कि हम उनके परिजनों को बताएं उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया है।' शहीद के परिजन बोले: 'पति, बेटा,भाई , तो खो दिया, पर आज महसूस हुआ कि पति, बेटा ,भाई अकेला नहीं था। पूरी भारतीय सेना उनके पीछे खड़ी है।'

यह आयोजन केवल एक रस्म नहीं, बल्कि यह संदेश था कि देश अपने शहीदों और उनके परिवारों को कभी नहीं भूलता। उनका बलिदान भारत की आत्मा में बसा हुआ है और अंत में वीर जवानों की जय और भारत माता की जयश के नारों से गूंजा वातावरण।

मैं लंगड़ा नहीं, बूढ़ा घोड़ा जरूर हूं: हरीश

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तराखंड कांग्रेस के आंतरिक हालात को कैसे सुधारा जा सकता है यह सवाल लंबे समय से कांग्रेस हाई कमान के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है। दिल्ली में कई राज्यों में कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे में बड़े परिवर्तन किए जाने को लेकर हाई लेवल मीटिंग हो रही है। जिसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी तथा शैलजा सहित तमाम बड़े नेता और पदाधिकारी भाग ले रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी जिनकी मंशा है कि कांग्रेस से उम्र दराज और निष्क्रिय नेताओं की छंटनी कर उनकी जगह युवा और ऊर्जावान नेताओं को तजरीह दी जाए।

राहुल गांधी द्वारा कांग्रेस नेताओं का वर्गीकरण करते हुए उन्हें तीन तरह के घोड़े बताया गया है। जिसमें वह कुछ को

❑राष्ट्रीय नेताओं की सोच के साथ चलने में विश्वासः प्रीतम
❑कांग्रेस में बड़े बदलाव के लिए जारी है चिंतन मंथन

बारात के घोड़े, कुछ को लंगड़े घोडे, तथा कुछ को रेस के घोड़े बताते हैं। निष्क्रिय नेता वह है जिन्हें बारात के घोड़े कहा गया है। जिनका काम सिर्फ दिखावे भर का है, वही लंगड़े घोड़े का मतलब उम्र दराज नेताओं से है जिन्हें चलने के लिए दूसरों के कंधों के सहारे की जरूरत होती है।

तीसरे वह है जो दिन-रात काम करने की क्षमता वाले हैं। उनके इस फार्मूले के कारण राज्य के पूर्व सीएम हरीश रावत जैसे उम्र दराज नेता चर्चाओं की केंद्र में आ गए हैं। लोग चर्चा कर रहे हैं कि क्या राहुल गांधी व कांग्रेस हरीश रावत जैसे नेताओं को साइड कर सकेगी इस पर खुद हरीश रावत कहते हैं कि मैं लंगड़ा नहीं बूढ़ा घोड़ा जरूर हूं लेकिन बूढ़े घोड़े को भी अस्तबल में बांधा जाता है और खाना दिया जाता है।

उधर प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा का कहना है कि राहुल गांधी का आशय इस बात से है कि हर व्यक्ति अच्छा रिजल्ट दे उनका मतलब किसी की उम्र क्या है इससे नहीं है।

कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री तथा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह का कहना है कि वह राष्ट्रीय नेताओं की सोच के साथ ही चलने और काम करने में विश्वास रखते हैं। देखना यह है कि दिल्ली में चल रही इस कवायद का कोई नतीजा भी निकलता है या नहीं?

सामूहिक दुष्कर्म मामले में एक और गिरफ्तारी

❑मां व उसका प्रेमी पहले ही हो चुके है गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस ने लगातार छापेमारी करते हुए तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। मामले में भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारी यानि की पीड़िता की मां व उसके प्रेमी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

जानकारी के अनुसार भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारी व उसके प्रेमी सहित एक अन्य के खिलाफ पीड़िता की ओर से रानीपुर कोतवाली में तहरीर देकर बताया गया था कि महिला मोर्चा की पदाधिकारी उसकी मां है जिसने अपने प्रेमी व उसके दोस्त से पीड़िता के साथ दुष्कर्म कराया गया है।

मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर पीड़िता की मां व उसके प्रेमी को बीते रोज ही गिरफ्तार कर लिया गया था। जबकि मामले का तीसरा आरोपी शुभम फरार चल रहा था। जिसे पुलिस ने बीती रात शाहपुर मेरठ से गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मुख्यमंत्री ने किया पौधारोपण

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने सीता अशोक का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेश की जनता से भी आह्वान किया कि वे इस पावन कार्य में सहभागी बनें और अपनी मां के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए प्रकृति की सेवा करें। यह अभियान मातृ सम्मान एवं पर्यावरण संरक्षण को समर्पित है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माता के नाम पर एक वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण मंत्री सुबोध उनियाल और मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने भी पौधारोपण किया।

भाजपा नेत्री पर लगे आरोपों से पार्टी के नारे 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' की खुली पोलः धस्माना

संवाददाता

देहरादून। हरिद्वार की भाजपा नेत्री पर लगे आरोपों से पार्टी के नारे बेटी बचाओ बेटी पढाओं की पोल खुल गयी है।

आज यहां प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन व प्रशासन सूर्यकांत धस्माना ने कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उत्तराखंड के इतिहास में अब तक का सबसे शर्मनाक यौन उत्पीड़न मामला सत्ताधारी दल की प्रभावशाली नेता भाजपा महिला मोर्चा हरिद्वार की पूर्व जिला अध्यक्ष अनामिका शर्मा की आज हुई गिरफ्तारी है जिसमें वेश्यावृति के अलावा सबसे घृणित अपराध उनके द्वारा स्वयं की नाबालिग मासूम तेरह वर्षीय बेटी का उनके द्वारा ही अपने पुरुष मित्र से यौन उत्पीड़न करवाने का आरोप है इस प्रकरण से भाजपा के सबसे लोकप्रिय नारे चाल चरित्र चेहरा और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की सारी पोल पट्टी खुल गई है। धस्माना ने कहा कि यह एक आत्मा को झकझोर देने वाला मामला है और इसमें संलिप्त महिला नेत्री की पहुंच भाजपा के राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के नेताओं से है।

धस्माना ने कहा कि इस प्रकरण के खुलासे से प्रदेश की जनता को यह स्पष्ट हो जाना चाहिए कि जब प्रदेश में सारा जनमानस अंकिता भंडारी के न्याय के लिए सड़कों पर था तब भाजपा का महिला मोर्चा जनमानस की भावनाओं के साथ क्यों नहीं था और कोई भी भाजपा नेत्री अंकिता के लिए सड़कों पर क्यों नहीं उतरी। धस्माना ने कहा कि आज भी जब सारा प्रदेश अंकिता भंडारी के मामले में अपराधियों को फांसी की सजा और वीआईपी के नाम के खुलासे की मांग कर रहा है तब भाजपा केवल आजीवन कारावास को ही बड़ी सजा बता रही है। धस्माना ने कहा कि भाजपा की गिरफ्तार महिला नेत्री के किन किन नेताओं के साथ किस तरह के संबंध रहे हैं इसकी उच्च स्त्रीय जांच होनी चाहिए।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र दीपक कुमार मेरे कहने सुनने में नहीं है और उसका हमसे कोई ताल्लूक नही है। इस कारण मैं उसे अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं।

मेरा पुत्र दीपक कुमार भविष्य में अगर कोई वाद-विवाद या लेन-देन करता है तो उसके लिए वह स्वंय जिम्मेदार होगा, हम नहीं।

श्री राम किशन पुत्र स्व.जयराम
निवासी-99 विकासपुरम,
रायपुर रोड
जिला- देहरादून
उत्तराखण्ड।

25 हजार का ईनामी हत्यारा गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। हत्या के एक मामले में फरार चल रहे 25 हजार के ईनामी हत्यारे को एसटीएफ व पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर 28 फरवरी 2025 को थाना मंगलौर के लंढौरा कस्बे में दिनदहाड़े इकराम नामक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत भुल्लर ने बताया कि एसटीएफ की कुमाऊं यूनिट द्वारा आज तड़के थाना मंगलौर पुलिस के साथ हत्या के मुकदमे में फरार चल रहे 25 हजार के ईनामी अपराधी राहुल उर्फ रुपेश को मंगलौर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। बताया कि एसटीएफ द्वारा पिछले 1 सप्ताह से काम करते हुए अपने अथक प्रयास से उक्त अपराधी की गिरफ्तारी की गयी। गिरफ्तार अपराधी थाना मंगलौर से हत्या के एक मुकदमे में फरार चल रहा था जिस पर 25 हजार का ईनाम घोषित किया गया था। गिरफ्तार व्यक्ति के ऊपर इससे पूर्व भी वाहन चोरी के तीन मुकदमे उत्तराखण्ड में ही दर्ज हैं। बताया कि आरोपी राहुल उर्फ रुपेश द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर बीती 28 फरवरी की शाम लण्ढौरा कस्बे में आपसी विवाद में इकराम निवासी मातावाला हसनबाग, मंगलौर की गोली मारकर सरेआम बाजार में हत्या कर दी थी और ताजिम नामक युवक गंम्भीर रुप से घायल हो गया था। उक्त हत्याकाण्ड के बाद हत्यारोपी मौके से फरार हो गये थे। जिस सम्बन्ध में मृतक के जीजा नौसाद पुत्र कालू निवासी भगवानपुर चन्दनपुर, मंगलौर द्वारा हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया था।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।